

XLRI IN NEWS

AUGUST 2016

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 5 August 2016
EDITION: Pune
PAGE: 5
B-Schools weigh options to bear cost arising from 7th Pay Commission



IIMs weigh options to bear cost
Pune: With the implementation of the Seventh Pay Commission recommendations set to bring in additional cost on salaries and pensions, top B-schools are weighing options to bear the same.

From raising fees to increasing executive education programmes, B-schools, including the Indian Institutes of Management (IIMs) are looking at ways to raise funds to match the salaries of faculties and staff in line with the pay panel recommendation.

However, IIMs feel the real impact cannot be gauged immediately. "Faculty salaries are not determined unless the UGC Pay Revision Committee, and then a possible IIM/IT Committee announces the pay scales (for faculty). The impact will be clear only then," said an IIM Bangalore spokesperson.

Among the various options, IIM Calcutta Director Saibal Chattopadhyay ruled out the possibility of a fee hike. "Hiking fees cannot be a solution. We periodically hike fees to take care of inflation marginally. Programme fees are already hiked. Just for the pay Commission, the students should not be asked to pay more. We will have to find other ways," he said.

Instead, IIMs said they are open to other options to raise funds to bear the additional cost. For instance, IIM Ahmedabad (IIM-A) has planned to increase the number of its executive education programmes to enhance its revenue. "We also plan to focus on high-end programmes with higher revenue and increasing research-based funding," IIM-A told Business Standard.

On the other hand, IIM Calcutta (IIM-C) is open to varied ways of raising funds, including increasing number of executive training programmes and alumni endowments. "One option would be to think of more executive education programmes and charge them more since they come from corporates who can afford."

But there is always a price elasticity to keep in mind. Given that there are different types of executive programmes, long-term and short-term, the institute will have to internally come up with innovative schemes without affecting the existing ones. Raising funds through alumni endowment is also an option," said Saibal Chattopadhyay. IIM-A, too, stated it was open to raising funds through alumni endowments.

The premier B-schools are yet to calculate the exact impact of the Pay Commission implementation on their cost of salaries and pensions. For the FY16, IIM-A had an outgo of ₹41.37 crore towards salaries and ₹20.44 crore for retirement benefits. IIM-C, on the other hand, paid around ₹33-34 crore the same year, including salaries, according to Chattopadhyay.

Apart from fees collected from post graduate programmes, major sources of revenue for IIMs tend to be executive education programme, consultancy, research as well as alumni and corporate endowments. For IIM-A, the size of current corpus stands at about ₹98.03 crore as on March 31.

Xavier Institute of Management - Bhubaneswar (XIM-B) is planning to bring a change in fee structure to deal with Seventh Pay Panel burden. "Depending on the impact, we will increase the fees. General perception is if the impact is 15-17 per cent, the fees may go up by 9 to 10 per cent."

A proposal will be put before the governing board for decision," said Father Paul Fernandes, director, XIM-B. XLRI-Jamshedpur too has plans to implement the pay panel suggestions. "Historically our salary structure for the faculty members is better than the UGC and IIMs pay structures. However, keeping in mind the 7th pay panel recommendations, a provision has already been made and interim pay hike has already been given to the faculty members."

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 1 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3
सुबह सड़क पर दौड़े, दोपहर में रैंप पर बड़े कदम
रात में डांस म्यूजिक पर थिरक थकान मिटाई



सुबह सड़क पर दौड़े, दोपहर में रैंप पर बड़े कदम
रात में डांस म्यूजिक पर थिरक थकान मिटाई

जमशेदपुर: जमशेदपुर के छात्रों ने सुबह सड़क पर दौड़ कर फिटनेस बढ़ाई। दोपहर में रैंप पर बड़े कदम और रात में डांस म्यूजिक पर थिरक कर थकान मिटाई।

जमशेदपुर के छात्रों ने सुबह सड़क पर दौड़ कर फिटनेस बढ़ाई। दोपहर में रैंप पर बड़े कदम और रात में डांस म्यूजिक पर थिरक कर थकान मिटाई।

PUBLICATION: Dainik Jagran, Jagran City
DATE: 1 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 13
बलहल्ला-16' में दौड़ा जमशेदपुर, झूमे एक्सएलआई



बलहल्ला-16' में दौड़ा जमशेदपुर, झूमे एक्सएलआई
जमशेदपुर रन में उमड़े शहर के लोग, फैशन शो में दिखा छात्र-छात्राओं का जोश

जमशेदपुर: जमशेदपुर के छात्रों ने सुबह सड़क पर दौड़ कर फिटनेस बढ़ाई। दोपहर में रैंप पर बड़े कदम और रात में डांस म्यूजिक पर थिरक कर थकान मिटाई।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 17 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 3
एक्सएलआई, जमशेदपुर

एक्सएलआई, जमशेदपुर
जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर में बिजनेस मैनेजमेंट के पोस्टग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 10 अक्टूबर तक आवेदन कर सकते हैं। छात्रों को एडमिशन एकेडमिक परफॉर्मेंस, वर्क एक्सपीरियंस और इंटरव्यू के आधार पर मिलेगा।

एलिजिबिलिटी: किसी भी स्ट्रीम में बैचलर डिग्री। डिग्री के बाद 2 वर्ष का वर्किंग एक्सपीरियंस और कम्प्यूटर का बेसिक नॉलेज आवश्यक है।

फीस: बिजनेस मैनेजमेंट के पोस्टग्रेजुएट सर्टिफिकेट कोर्स की कुल फीस 2 लाख 25 हजार रुपय है।

PUBLICATION: Business Standard
DATE: 3 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 4
COMING HOME ON TAP

VEDANT KUMAR, 35 Early years: Gujarat Education: IIT Bombay Career: Founder, Vedant Capital Passion: Reading, Travel, and Business Development	ANIL KUMAR, 35 Early years: Gujarat Education: IIT Bombay Career: Founder, Vedant Capital Passion: Reading, Travel, and Business Development	ANIL KUMAR, 35 Early years: Gujarat Education: IIT Bombay Career: Founder, Vedant Capital Passion: Reading, Travel, and Business Development
---	---	---

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 26 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

भास्कर खास

अमेरिका में आयोजित आईएनएफ चैलेंज प्रतियोगिता में संस्थान को मिला पहला पुरस्कार

पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के एक आइडिया से एक्सएलआरआई की टीम अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में प्रथम

सिटी रिपोर्टर | जमशेदपुर

एक आइडिया किस तरह जिंदगी बदल सकता है, उसकी ताजा मिसाल बने हैं एक्सएलआरआई के बिजनेस मैनेजमेंट के सेकेंड ईयर के स्टूडेंट्स अनुनय अरोड़ा और जागृति वोजाला। ग्लोबल इनोवेशन कंपनी श्रीएम की ओर से आयोजित इंटरनेशनल आईएनएफ (इन्वेंट ए न्यू फ्यूचर) चैलेंज प्रतियोगिता में अनुनय और जागृति ने पहला पुरस्कार हासिल किया है।

अमेरिका के सेंट पॉल मिनेसोटा में आयोजित इस प्रतियोगिता में कनाडा, मेक्सिको, ब्राजील, चीन, जापान, पनामा, पोलैंड, तुर्की, सऊदी अरब, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया,

विजेता बनने पर मिला नौकरी का ऑफर
तय्य है श्रीएम



संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के बिजनेस स्कूल के प्रतिभागियों की भी भागीदारी रही। एक्सएलआरआई की टीम ने ग्रीन कंसल्टिंग का नया आइडिया दिया। इसमें वैश्विक स्तर पर पर्यावरण की चुनौतियों का सामना

श्रीएम ग्लोबल इनोवेशन कंपनी है। कंपनी ने दुनिया भर के नए आइडिया को अपना कर हज़ारों नए उत्पाद बाजार में उतारे हैं, जिन्होंने आम आदमी की जिंदगी आसान बनाई है। भारत समेत 70 देशों में इसके ऑफिस हैं। इसके 55 हजार प्रोडक्ट्स और 88 हजार कर्मचारी हैं।

करने के लिए दुनिया की विभिन्न सरकारों और कंपनियों को ग्रीन कंसल्टिंग का सहारा लेने की बात कही, ताकि पर्यावरण की समस्याओं का समाधान हो सके। प्रतियोगिता में पहले स्थान पर रहे इन विद्यार्थियों को

श्रीएम ने अपने यहां नौकरी के लिए ग्री प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) साथ छह माह का मेंटरशिप प्रोग्राम भी ऑफर किया है। इस वैश्व प्रतियोगिता में एक्सएलआरआई ने भारत का प्रतिनिधित्व किया इसके पहले राष्ट्रीय स्तर आयोजित नेशनल केस स्टडीज अनुनय और जागृति ने बेस्ट ए इनोवेटिव आइडिया देकर पहला पुरस्कार जीता था। राष्ट्रीय स्तर प्रथम स्थान पर रही इस टीम अमेरिका में आयोजित इस वैश्व प्रतियोगिता में भाग लेने का मौका मिला। वैश्विक स्तर पर पहला स्थान पर रही जागृति वोजाला कहा आइडिया की यह जर्नी का आनंददायक रही।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 31 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 10

एक्सएलआरआई के डॉक्टरल डिग्री कोर्स को एएसीएसबी से मिली मान्यता

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट (एक्सएलआरआई) के डॉक्टरल प्रोग्राम को द एसोसिएशन टू एडवेंस कॉलिजिएट स्कूल ऑफ बिजनेस इंटरनेशनल (एएसीएसबी) ने मान्यता दी है। इससे पहले भी 2015 में एक्सएलआरआई को एसोसिएशन ऑफ एमबीए (एएमबीए) कोर्स के लिए मान्यता मिल चुकी है। इसके साथ एक्सएलआरआई विश्व के चुनिंदा बिजनेस स्कूलों में शामिल हो गया है, जिन्हें एएसीएसबी से डॉक्टरल कोर्स के लिए मान्यता मिल है। एएसीएसबी से मान्यता पाने के लिए कई वर्षों तक चलने वाली प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। एएसीएसबी के 90 देशों में 1500 से ज्यादा मेम्बर ऑर्गनाइजेशन हैं। इसका मुख्यालय नॉर्थ अमेरिका एशिया पैसिफिक और यूरोप में है। इसने अब तक दुनिया के 760 से ज्यादा बिजनेस स्कूलों को मान्यता दी है।

PUBLICATION: Dainik Jagran, Jagran City
DATE: 24 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

एक्सएलआरआई में एक्जीक्यूटिव डिप्लोमा की शुरुआत

जमशेदपुर : एक्सएलआरआई में वर्किंग प्रोफेशनल के लिए एचआर में एक्जीक्यूटिव डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत की गई है। इस कोर्स में दाखिले के लिए संस्थान प्रबंधन की ओर से 15 अक्टूबर तक अंतिम तिथि तय की गई है। इस कोर्स को करने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी संकाय में ग्रेजुएट होना अनिवार्य है। एक्सएलआरआई प्रबंधन ने बताया कि इस कोर्स की अवधि 18 महीने की होगी।

PUBLICATION: Dainik Bhaskar
DATE: 24 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में एचआर मैनेजमेंट

वर्किंग एक्जीक्यूटिव कर सकते हैं दाखिले का आवेदन

जमशेदपुर | एक्सएलआरआई, जमशेदपुर ने वर्किंग एक्जीक्यूटिव से डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट कोर्स में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किया है। संस्थान निदेशक फादर इ अब्राहम ने बताया कि यह कोर्स ऐसे लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, जो किसी कंपनी या संगठन में काम करते हैं। प्रोग्राम का मकसद प्रबंधकों को ह्यूमन रिसोर्स के विभिन्न पहलुओं की जानकारी देना है। 16 माह के इस कोर्स में छह टर्म होंगे। छह टर्म में एक्सएलआरआई में 50 इन का इंटेंसिव लर्निंग भी शामिल है। प्रोजेक्ट बेसिस कोर्स में लेक्चर सीरिज, केस मैथड्स, ग्रुप वर्क, साइनमेंट और डिसेशन शामिल होगा। आवेदन का डेडलाइन पांच साल की होना चाहिए। किसी भी संकाय के स्नातक इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों का चयन परसनेल या स्काइप इंटरव्यू के जरिए होगा। कोर्स की फीस चार लाख रुपए है। आवेदन की अंतिम तिथि 15 अक्टूबर है।

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 3 August 2016
EDITION: Mumbai
PAGE: 5

Moon Express Gears Up for Lunar Landing

Meerut-born entrepreneur Naveen Jain's commercial mission, beyond earth's orbit, is a first in history for a private co

Sharan Vaidyanathan
@timesgroup.com

NAVEEN JAIN
Entrepreneur

Water on the Moon also creates great opportunity to create rocket fuel and fuel for humans, oxygen. We are also taking paid payloads such as telescopes and other scientific instruments on the moon



WITH ROOTS back in India, Naveen Jain is the son of a Public Works Department official in their hometown Meerut. HAS DEGREES from IIT-Bombay and XLRI. NAVEEN HAD a 7-year stint in Microsoft before he began his internet company in 1996.

Chennai: Naveen Jain, the Meerut, UP-born entrepreneur whose Florida startup has just won the approval from the US Government to land on the moon, believes there is a lot of work to be done on the Moon. Moon Express, founded along with space entrepreneur Robert Richards, will execute a commercial mission beyond the earth's orbit, a first in history for a private company and a decision backed by a portfolio of private investors in the firm. "This means we are in the league of the superpowers," an excited Jain told ET on the phone from New York. "It is symbolic of what a small group of people are capable of doing. If I can come to this country and land on the moon, imagine what anyone else can achieve."

Jain had founded a clutch of companies across fields from online search to software services to selling background information.

company InfoSpace had raised huge expectations as it went public in late 1996, triggering talk of multi-billion dollar valuations before they imploded through 2000 like many other internet companies during the "dot-com" bust. According to a company website, InfoSpace, now

investors like BlackRock, Fidelity Management and JP Morgan as institutional investors. With roots back in India, he is the son of a Public Works Department official in their hometown Meerut. "Every 3-4 months, we moved through the remote villages of UP because my dad would get transferred frequently. I consider myself the least-educated of the lot with my IIT-Bombay and XLRI MBA degrees. My sister managed a

Extending Indian economy over the strategy here is the ultimate aim but short-term commercial targets are well-defined for Moon Express. The company will "harvest" the Moon for platinum-grade material, rare-earth materials and Helium-3. "Water on the Moon also creates great opportunity to create rocket fuel and fuel for humans, oxygen. We are also taking paid payloads such as telescopes and other scientific instruments on the moon," said Jain. While Jain firmly believes the resources of the cosmos have barely been estimated, let alone tapped for lack of a resource war in space, Indian scientists hold that the moon should be for all humanity. K Sivan, director at Vikram Sarabhai Space Centre and a key scientist in India's successful cryogenic engine, said, "While I would not comment on the company, I believe that Moon should be for everybody, just like the Sun is. The concept of ownership cannot be extended to the cosmos," he said, adding that India will further its reach for Helium-3 with

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 26 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 1,3



एक्सप्रेसआइ के नाम रहा न्यू फ्यूचर चैलेंज

एक्सएलआरआई के नाम रहा न्यू फ्यूचर चैलेंज

अमेरिका में 13 देशों के बिजनेस स्कूलों ने लिया था भाग

जमशेदपुर, 26 अगस्त : अमेरिका के बिजनेस स्कूलों ने नवंबर 2016 के 'न्यू फ्यूचर चैलेंज-2016' का कार्यक्रम जमशेदपुर में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 13 देशों के बिजनेस स्कूलों ने भाग लिया। कार्यक्रम में नवंबर 2016 के 'न्यू फ्यूचर चैलेंज-2016' का कार्यक्रम जमशेदपुर में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 13 देशों के बिजनेस स्कूलों ने भाग लिया।



जमशेदपुर, 26 अगस्त : अमेरिका के बिजनेस स्कूलों ने नवंबर 2016 के 'न्यू फ्यूचर चैलेंज-2016' का कार्यक्रम जमशेदपुर में आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 13 देशों के बिजनेस स्कूलों ने भाग लिया।



October 10, 2016, Naveen Jain and a woman holding a sign.

PUBLICATION: Deccan Herald
DATE: 30 August 2016
EDITION: Bangalore
PAGE: 10

TRADE UNION STRIKE

Talk to them

The government has not held talks with the unions since September 2, 2015, when they last went on a strike.

By K R Shyam Sundar

The united trade union movement, except for the Bharatiya Mazdoor Sangh (BMS), has served notices to go on strike on September 2, 2016 on a 12-point charter of demands. It is interesting to note that on these very 12-points, the movement went on a massive strike on September 2, 2015.

Reportedly, around 10 crore workers, covering both the organised and the unorganised sectors, struck work and the government lost into several thousands of crores of rupees. Another such strike is in the offing.

The first question that arises is why the trade union movement is resorting to strike on the same set of demands after one year of such a demonstrative work stoppage? Something is wrong somewhere, ain't it?

It must be remembered here that the BMS, the unofficial labour wing of the BJP, withdrew from the September 2015 strike on the written assurance by the government that it would hold consultations with the trade unions and positively look into the workers' demands. It was not wrong for the BMS to withdraw then, as it was not merely for political reasons but it made sense to give time to the dialogue-ready government.

But now, it is known that since September 2015, the government did not hold consultations with the trade unions nor did it come close to fulfilling any of their demands. On the other hand, the government, apart from some pro-labour reform measures like maternity benefits enhancement, has carried out several pro-business reforms and tried often to tinker with workers' provident fund amount but in vain.

The BMS, in its recently concluded Bhopal meeting, passed strictures on the NDA government for failing the working class of the country and for its "callous attitude." It is noteworthy that the BMS has been conducting its protest activities against the government in a stand-alone manner on a regular basis, be it the government's foreign direct investment (FDI) policy or labour law reforms.

What are the trade unions demanding for? Are they making outrageous demands? The trade union movement is

basically opposed to two things: neo-liberal economic policies like privatisation and FDI in critical sectors, and measures of labour flexibility.

They are also asking for dialogue with the trade unions before making amendments to labour laws, effective implementation of labour laws, a price-indexed minimum wages of at least Rs 18,000, universal social security for all, including an enhanced pension of Rs 3,000, and assured process of trade union registration.

Further, to protect the people's and especially workers' welfare, they demand price control through universalisation of the public distribution system, banning speculative trade in commodity markets and measures for employment generation.



concerned about the consequences of privatisation and FDI since labour rights could be, and in some cases are, at risk eventually. Why should trade unions oppose these two measures if the government would enforce labour rights in the privately and foreign-managed workplaces?

So long as the public sector character of the establishment is statutorily assured via parliamentary proceedings, disinvestment up to some level should not be a problem for workers, because as the reformers claim, the infusion of private capital could discipline the typically inefficient government governance. Trade unions should claim a share in these and the government would not mind it as was evident in the Coal India case.

If multinational companies respect Indian labour laws and the Organisation for Economic Cooperation and Development (OECD) Code for them, trade unions should not oppose them. But the field realities are so alarming that workers typically protest against these measures.

Increased intensity

Are these demonstrative work stoppages atypical? No. The post-reform period has witnessed around 15 all-India work stoppages and various forms of agitations such as morchas, dharnas, trade union conventions and so on. Much against the common thinking, the labour intensity of work stoppages has increased manifold during this period. The reasons are not far to seek.

The aggressive drive of employers and the governments to run industries according to free market principles has created an intense sense of insecurity among the workers and the economic crises have made matters worse. Industrial conflicts, either of spontaneity (Munna plantation women workers) or of temporary organisation (Wazirpur industrial estate workers) have taken place to even challenge the established trade unionism.

Industrial violence has characterised much of the large conflicts in the last few years. The industrial relations system is in ferment. Workers' fears and apprehensions need to be assuaged.

It is surprising and even shocking that as trade unions claim, effective social dialogue is not happening which is vital for any policy reforms. It is arduous but the only democratic forum available. The September 2, 2016, strike would then be a reflection of the failure of governance, absence of social dialogue and the policy lobbying failure on the part of trade unions.

(The writer is Professor, XLRI School of Management, Jamshedpur)

PUBLICATION: Hindustan Times
DATE: 29 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 4

Feather in XLRI cap, institute earns AACSB accreditation

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

KOLKATA: XLRI - Xavier School of Management has earned accreditation for its flagship management and doctoral programs from AACSB International (The Association to Advance Collegiate Schools of Business).

This is the second coveted international accreditation for XLRI after Association of MBAs (AMBA) which XLRI had received in 2015. Importantly, XLRI joins a select group of global business schools that has received the AACSB accreditation for its doctoral program.

Founded in 1916, AACSB International is the longest serving global accrediting body for business schools that offer undergraduate, master's and doctoral degrees in business and accounting.

AACSB accreditation is the hallmark of excellence in business education. It is earned by less than five percent of the world's business management programs. Achieving AACSB accreditation is a multi-year process of rigorous internal review, engagement with an AACSB assigned mentor and peer review. During the process, the school focuses on developing and implementing a plan to align with AACSB's accreditation standards.

FOUNDED IN 1916, AACSB INTERNATIONAL IS THE LONGEST SERVING GLOBAL ACCREDITING BODY FOR BUSINESS SCHOOLS THAT OFFER UNDERGRADUATE, MASTER'S AND DOCTORAL DEGREES IN BUSINESS AND ACCOUNTING.

These standards require excellence in areas related to strategic management and innovation; student, faculty, and staff as active participants; learning and teaching; and academic and professional engagement.

"It takes a great deal of self-evaluation and determination to earn the AACSB accreditation, and I commend XLRI Jamshedpur for its dedication to management education as well as its leadership in the community," said Robert D Reid, executive vice-president and chief accreditation officer of AACSB International. "Through accreditation, XLRI has not only met specific standards of excellence, but has also made a commitment to ongoing improvement to ensure that the institution will continue to deliver high quality education to its students.

The entire XLRI team—including the administration, faculty, directors, staff and students—are to be commended for their roles in earning accreditation."

Fr. E. Abraham SJ, director, XLRI-Xavier School of Management, said, "The AACSB accreditation is an important milestone for XLRI, country's oldest management school founded in 1949. Staying true to our core Jesuit philosophy of "MAGIS" - 'Pursuit of Excellence in all Endeavors', this very prestigious AACSB accreditation will take us a step ahead to strengthen our foothold and reputation in the global arena and evolve towards becoming a preferred management institute of choice for discerning, future business leaders from India and abroad."

"The international accreditations from AACSB along with AMBA, which we had received last year, has added twin feathers to XLRI's cap. A management institute with two coveted international accreditations and the National Board of Accreditation (NBA) accreditation is a rare phenomenon in the country. This accreditation will further enhance the credibility of XLRI vis-à-vis the recruiters looking to recruit the top talent knowing that our graduates have received the highest quality and the most relevant management education" Fr. E. Abraham added.

XLRI EVENT, A MIX OF SPORTS, CULTURAL SHOWS



Participants at the fashion show.

Manoj Choudhary

Vishnu, an annual three-day sports-culture festival of XLRI, Jamshedpur which commenced on Sunday, was a mix of sports, cultural shows, and a fashion show. On the first day, the students showcased their creativity and talent in various cultural programs. The event was held in the XLRI auditorium and was attended by a large number of students and faculty members.

On the first day of the fest, the students showcased their creativity and talent in various cultural programs. The event was held in the XLRI auditorium and was attended by a large number of students and faculty members.

The second day of the fest was dedicated to sports. Various sports events were held, including basketball, football, and tennis. The students participated with great enthusiasm and spirit.

The third day of the fest was dedicated to cultural shows. Various cultural programs were performed, including dance, music, and drama. The students showcased their talent and creativity in these programs.

The event was a great success and was well-received by the students and faculty members. It provided a platform for the students to showcase their talent and creativity, and it also helped to build a sense of community and teamwork among them.

The event was held in the XLRI auditorium and was attended by a large number of students and faculty members. It was a great day for everyone involved and it was a success for the XLRI community.

The event was a great success and was well-received by the students and faculty members. It provided a platform for the students to showcase their talent and creativity, and it also helped to build a sense of community and teamwork among them.



PUBLICATION: Hans India
DATE: 20 August 2016
EDITION: Hyderabad
PAGE: 12

XLRI bags AACSB accreditation

OUR BUREAU

Hyderabad: Xavier School of Management, XLRI, Jamshedpur has earned accreditation for its flagship management and doctoral programs by AACSB International-The Association to Advance Collegiate Schools of Business.

This is the second coveted International Accreditation for XLRI after Association of MBAs (AMBA), which XLRI had received in 2015. Importantly, XLRI joins a select group of global business schools to have received AACSB accreditation for its doctoral program.

"It takes a great deal of self-evaluation and determination to earn the AACSB Accreditation, and I commend XLRI Jamshedpur for its dedication to management education, as well as its leadership in the community," said Robert D. Reid, Executive Vice President and Chief Accreditation Officer of AACSB International.

MEDIA COVERAGE 10

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 26 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

जागृति व अनुनय ने जीती आइएनएफ चैलेंज स्पर्धा

जमशेदपुर | संवाददाता

एक्सएलआरआई के विद्यार्थी जागृति भाजुला और अनुनय अरोरा ने अमेरिका के मिनेसोता में आयोजित इंटरनेशनल आइएनएफ चैलेंज प्रतियोगिता में विजेता बने हैं। जागृति भाजुला और अनुनय अरोरा की टीम ने विश्व के 13 देशों की टीम को हराकर प्रतियोगिता जीती है।

प्रतियोगिता का आयोजन ग्लोबल इनोवेशन कंपनी-3 एम ने आयोजित की थी। विजेता जागृति भाजुला और अनुनय अरोरा को ग्लोबल इनोवेशन कंपनी-3 एम की ओर से प्री प्लेसमेंट ऑफर मिला है। वे आगामी छ माह तक कंपनी के वरीय अधिकारियों के साथ मेंटरशिप की भूमिका में रहेंगे। इसमें कनाडा, मैक्सिको, ब्राजील, चीन, जापान, पनामा, पोलैंड, तुर्की, सउदी अरब आदि थे शामिल।



इंटरनेशनल आइएनएफ चैलेंज प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी जागृति भाजुला और अनुनय।

“जागृति और अनुनय की जीत एक्सएलआरआई के लिए गर्व की बात है। हमारे विद्यार्थी पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा बिखेर रहे हैं। प्रबंधन स्कूल के रूप में हमलोगों की पहचान हमारे सफल विद्यार्थी से ही होती है। - फादर इ अब्राहम, निदेशक, एक्सएलआरआई

PUBLICATION: Mail Today
DATE: 2 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 23

OCTOBER 10: This is the last date to send applications for postgraduate certificate programmes (Virtual Interactive Learning) in Business Management and Human Resource Management at the Jamshedpur-based Xavier School of Management. The classes will be conducted by XLRI professors through a high definition video conference based virtual classroom platform. The course also includes a five-day intensive learning called the 'Campus Component.' For more details log on to www.xlri.ac.in/academic-prog/postgraduate-certificate-programmes

PUBLICATION: Mail Today
DATE: 30 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 23

XLRI TEAM WINS 3M CHALLENGE
JAGRUTI Vojjala and Anunay Arora, students of XLRI, Xavier School of Management, Jamshedpur, have won the International 'Invent a New Future Challenge' organised by Global Innovation Company 3M. The XLRI team won the challenge beating B-

countries including Canada, Mexico, Brazil, China, Japan, Panama, Poland, Turkey, Saudi Arabia, Singapore, and United States of America. "The win is the result of our students sincere efforts and their passion for excellence," said E. Abraham,



PUBLICATION: Mail Today
DATE: 30 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 23

OCTOBER 15: This is the last date to send applications for an executive diploma in Human Resource Management for working professionals at the Jamshedpur-based XLRI-Xavier School of Management. The 16-month programme aims to provide participants with an in-depth understanding of various concepts and get them tuned to the latest developments and best practices in the sector. The module includes 50 days of on campus training. For more details log on to <http://www.xlri.ac.in/academic-prog/executive-education/diploma-hrm>

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 19 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

हर दिन बनाने होंगे 3961 शौचालय

रांची। स्वच्छता अभियान के तहत राज्य में मार्च-2017 तक 14.46 लाख शौचालय बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को प्रतिदिन 3961 शौचालयों का निर्माण करना होगा। विभाग ने 10 अगस्त से 18 अगस्त तक 2234 पंचायतों में अभियान चलाया।

विभाग ने यह भी दावा किया कि राज्य के 42 फीसदी परिवारों को खुले शौच से मुक्त किया जा चुका है। अबतक राज्य में 4.69 लाख शौचालयों का निर्माण हो चुका है, जिसपर 602.19 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। एक शौचालय के निर्माण पर 12 हजार रुपए खर्च किए जाते हैं। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 81 प्रखंडों के साथ रामगढ़, खूंटी, लोहरदगा, जामताड़ा, कोडरमा, हजारीबाग और साहिबगंज जिले को खुले शौच से मुक्त करने का भी लक्ष्य रखा गया है।

ऐसे हो रही मॉनिटरिंग: सबसे पहले संबंधित प्रखंड की पंचायत और गांव के लोग इसका सत्यापन करेंगे। दूसरे चरण में अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में बनी कमेटी जांच करेगी। तीसरे चरण में थर्ड पार्टी जांच करेगी, जिसमें एक्सएलआरआई, एक्सआईएसएस और आईआईएम संस्था लागाई जाएगी।

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 1 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

'Valhalla' concludes on positive note

PNS ■ JAMSHEDPUR

Valhalla, the three-day sports cum cultural extravaganza of XLRI, Jamshedpur, concluded on Sunday on positive note. In accordance with the theme: The Streets Are Calling, the day began with participants speeding down the racing tracks in campus. Participants hit the streets again, and this time they did it with speed and they did it in style.

'Laasya'-the solo classical dance competition had the audience enthralled by the mesmerising dance performances. Malvika of XLRI was adjudged the best dancer. Raagalay- the solo classical competition overflowed with the melodies of singing sensations and musical instruments. In Raagalaya vocals, Divya of XLRI won the



first prize and Harshal, also of XLRI, won the first prize in Raagalaya instrumental. Apart from this there was a Movie Debate, a General Quiz and fiercely fought sporting events like Volleyball and Basketball. The street dance event also attracted a huge crowd. The Street Play competition deserves special mention for the

brilliant scripts, amazing acting and powerful portrayal of the vices in society. Each of the four colleges taking part in this event did a splendid job and clearly got their social message across. The competition was won by NMIMS, Mumbai. Once again the various committees of XLRI like SportsComm, Dracula, CII-Yi



collaborated to host a number of fun events for participants. The food stalls did brisk business as students queued up in front of the stalls to sample the delectable fare on offer. Visitors and students alike could be seen tucking into mouth-watering crispy cheesy dosas, chocolate gelatos, sinful pastries and much more.

SIGMA dosa, an initiative by SIGMA oskos to raise funds for charity, was particularly popular. There were some stalls selling tribal handicraft items as well.

The highlight of the day was singing sensation Nikhil D'souza, a playback singer, songwriter and guitarist who made his Bollywood debut



with the song Shaam from the movie Aisha. He followed it up with more hits like Anjana Anjani and Break Ke Baad. XLRI hosted 'Coke Studio pre-



sents Nikhil D'Souza' to a packed audience in the Tata auditorium. The singer known for his eclectic acoustic guitar based pop held the audience spellbound with his mellifluous voice and soulful music. Even as the show wound up, the audience couldn't get enough of Nikhil D'souza.



PUBLICATION: Pioneer
DATE: 17 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 13



VIRTUAL INTERACTIVE LEARNING

The Xavier School of Management (XLRI) announces admission to the Virtual Interactive Learning (VIL) postgraduate certificate programmes for Business Management (PGCBM) and Human Resource Management (PGCHRM) programmes. It'll be conducted through VCNOW's video conference based virtual classroom platform across 40 study centers in India. The duration of these VIL programme is one year which includes five days of campus stay at XLRI Jamshedpur.

The last date for making registrations online is October 10, 2016. Applicants need to have minimum two years of work experience after completion of graduation (10+2+3) or equivalent. The course fee for the PGCBM and PGCHRM programmes is ₹2,25,000. XLRI also provides corporate sponsorships to selective students. To registration, log on to <http://sat.xlri.ac.in/> or <http://sat.xlri.ac.in/satadmission/index.php?cmd=R>.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 17 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI bags AACSB International Business accreditation

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI — Xavier School of Management has received accreditation for its flagship management and doctoral programmes by AACSB International (The Association to Advance Collegiate Schools of Business). This is the second coveted international accreditation for XLRI after Association of MBAs (AMBA), which XLRI had received in 2015. Importantly, XLRI joins a select group of global business schools to have received AACSB accreditation for its doctoral programme.

Founded in 1916, AACSB International is the longest serving global accrediting body for business schools that offer undergraduate, master's, and doctoral degrees in business and accounting.

AACSB Accreditation is the hallmark of excellence in business education, and has been earned by less than five percent of the world's business management programmes. Achieving AACSB accreditation is a multi-year process of rigorous internal review, engagement with an AACSB assigned mentor, and peer review. During



the process the school focuses on developing and implementing a plan to align with AACSB's Accreditation standards. These standards require excellence in areas relating to strategic management and innovation; student, faculty, and staff as active participants; learning and teaching; and academic and professional engagement.

"It takes a great deal of self-evaluation and determination to earn the AACSB Accreditation, and I commend XLRI Jamshedpur for its dedication to management education, as well as its leadership in the community," said Robert D. Reid, executive vice president and chief accreditation officer of AACSB International. "Through accreditation, XLRI has not only met

specific standards of excellence, but has also made a commitment to ongoing improvement to ensure that the institution will continue to deliver high quality education to its students. The entire XLRI team—including the administration, faculty, directors, staff, and students—are to be commended for their roles in earning accreditation."

Father E. Abraham, director, XLRI- Xavier School of Management remarked on the new development, "The AACSB Accreditation is an important milestone for XLRI, India's oldest management school founded in 1949. Staying true to our core Jesuit philosophy of "MAGIS" — "Pursuit of Excellence in all Endeavors", this very prestigious AACSB accreditation will take us a step ahead to strengthen our foothold and reputation in the global arena and evolve towards becoming a preferred management institute of choice for discerning, future business leaders from India and abroad."

"The International Accreditations from AACSB along with AMBA which we had received last year has added twin feathers to XLRI's cap. A management institute with two coveted international accreditations and the National Board of Accreditation (NBA) accreditation is a rare phenomenon in India. This accreditation will further enhance the credibility of XLRI vis-à-vis the recruiters looking to recruit the top talent, knowing that our graduates have received the highest quality and the most relevant management education," Abraham added.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 24 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एकजीक्यूटिव डिप्लोमा के लिए 15 अक्टूबर अंतिम तिथि
जमशेदपुर. एक्सएलआरआई में वर्किंग प्रोफेशनल के लिए एचआर में एकजीक्यूटिव डिप्लोमा कोर्स की शुरुआत की गयी है. इस कोर्स में दाखिले के लिए संस्थान प्रबंधन की ओर से 15 अक्टूबर तक अंतिम तिथि तय की गयी है. इस कोर्स को करने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी संकाय में ग्रेजुएट होना अनिवार्य किया गया है. साथ ही संस्थान प्रबंधन की ओर से तय किया गया है कि इस कोर्स में उसी उम्मीदवार को दाखिला मिल सकेगा जिन्हें रेगुलर 5 वर्ष तक कार्य करने का अनुभव हो. एक्सएलआरआई प्रबंधन ने बताया कि इस कोर्स की कुल अवधि 18 महीने की होगी. इस दौरान विद्यार्थियों को एक्सएलआरआई कैम्पस में 5 दिन का विजिट भी करवाया जायेगा. फीस 4 लाख रुपये तय की गयी है. कामकाजी लोगों के विकास को लेकर इस कोर्स को डिजाइन किया गया है.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 24 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI announces HRM programme for working executives

PNS ■ JAMSHEDPUR

Xavier School of Management (XLRI) has started admission to the executive diploma in Human Resource Management for Working Executives (EDHRM: 2017-18). The last date for online registration is October 15.

The unique consolidated programme has been especially designed for working executives to enhance their professional knowledge and skills

that are essential to play the HR role effectively within the dynamic and fast-growing corporate world and earn an Executive Diploma in HRM without interrupting their career.

The programme aims to provide the participants with an in-depth understanding of various concepts in HR and get them tuned to the latest developments and best practices in the sector, to prepare them to head the HR function in the operating divisions and to



develop a repository of HR experts who can lead change in the organisation.

The 16-month programme with 6 terms comprises of 15 compulsory courses spread over the first five terms while the sixth term is exclusively devoted to Action Research Based Project.

The programme module includes a 50 days of intensive learning at XLRI campus through 5 visits, Project-based courses and Lecture series; Case methods; Group work; Assignments and Dissertation

The course fee is ₹ 4 lakhs + service tax including tuition fees and other infrastructure necessities (excluding board and lodging expenses).

The applicant to this pro-

gramme has to be a graduate (minimum three years of full time study) from a recognised university in any discipline, with minimum of 5 years of full time work experience in managerial positions in HR Sector. The candidates are to be selected through Personal or Skype Interview.

XLRI was founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J.. Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programmes and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organisations.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 1 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

Valhalla @ XLRI: Singer Nikhil D'souza steals the show

Jamshedpur, July 31: Valhalla, the three-day sports cum cultural extravaganza of XLRI, Jamshedpur, concluded on Sunday on positive note. In accordance with the theme: 'The Streets Are Calling', the day began with participants peeding down the racing racks in campus. Participants hit the streets gain, and this time they did it with speed and they did it a style.

'Laasya'-the solo classical dance competition had the audience enthralled by the mesmerizing dance performances. Malvika of XLRI was adjudged the best dancer. Raagay - the solo classical competition overflooded with the melodies of singing sensations and musical instruments. In Raagayala vocals, Divya of XLRI won the first prize and Harshal, also of XLRI, won the first prize in Raagayala instrumental. Apart from this there was a movie debate, a general

Three-day extravaganza concludes on enthusiastic note



quiz and fiercely fought sporting events like volleyball and basketball. The street dance event also attracted a huge crowd. The Street Play competition deserves special mention for the brilliant scripts, amazing acting and powerful portrayal of the

watering crispy cheesy dosas, chocolate gelatos, sinful pastries and much more. SIGMA dosa, an initiative by SIGMA oikos to raise funds for charity, was particularly popular. There were some stalls selling tribal handicraft items as well.

The highlight of the day was singing sensation Nikhil D'souza, a playback singer, songwriter and guitarist who made his Bollywood debut with the song Shaam from the movie Aisha. He followed it up with more hits like Anjana Anjana and Break Ke Baad. XLRI hosted 'Coke Studio' to a packed audience in the Tata auditorium. The singer known for his eclectic acoustic guitar based pop held the audience spellbound with his mellifluous voice and soulful music. Even as the show wound up, the audience couldn't get enough of Nikhil D'souza.

vices in society. Each of the four colleges taking part in this event did a splendid job and clearly got their social message across. The competition was won by NMIMS, Mumbai. Once again the various committees of XLRI like Sports Comm, Dracula,

CII-Yi collaborated to host a number of fun events for participants. The food stalls did brisk business as students queued up in front of the stalls to sample the delectable fare on offer. Visitors and students alike could be seen tucking into mouth-

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 17 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI receives AACSB International Business accreditation

Jamshedpur: XLRI - Xavier School of Management has received accreditation for its flagship management and doctoral programs by AACSB International (The Association to Advance Collegiate Schools of Business). This is the second coveted international accreditation for XLRI after Association of MBAs (AMBA), which XLRI had received in 2015. Importantly, XLRI joins a select group of global business schools to have received AACSB accreditation for its doctoral program.

Founded in 1916, AACSB International is the longest serving global accrediting body for business schools that offer undergraduate, master's, and doctoral degrees in business and accounting.

AACSB Accreditation is the hallmark of excellence in business education, and has been earned by less



than five percent of the world's business management programs. Achieving AACSB accreditation is a multi-year process of rigorous internal review, engagement with an AACSB assigned mentor, and peer review. During the process the school focuses on developing and implementing a plan to align with AACSB's Accreditation standards. These standards require excellence in areas relating to strategic management and innovation; student, faculty, and staff as active participants; learning and teaching; and academic and professional engagement.

"It takes a great deal of self-evaluation and determination to earn the AACSB Accreditation, and I commend XLRI Jamshedpur for its dedication to management education, as well as its leadership in the community," said Robert D. Reid, executive vice

president and chief accreditation officer of AACSB International. "Through accreditation, XLRI has not only met specific standards of excellence, but has also made a commitment to ongoing improvement to ensure that the institution will continue to deliver high quality education to its students. The entire XLRI team-including the administration, faculty, directors, staff, and students-are to be commended for their roles in earning accreditation."

Father E. Abraham, director, XLRI- Xavier School of Management remarked on the new development, "The AACSB Accreditation is an important milestone for XLRI, India's oldest management school founded in 1949. Staying true to our core Jesuit philosophy of 'MAGIS' - Pursuit of Excellence in all Endeavors', this very prestigious AACSB accreditation will take us a step ahead to strengthen our foothold and reputation in the global arena and evolve towards becoming a preferred management institute of choice for discerning, future business leaders from India and abroad."

"The International Accreditations from AACSB along with AMBA which we had received last year has added twin feathers to XLRI's cap. A management institute with two coveted international accreditations and the National Board of Accreditation (NBA) accreditation is a rare phenomenon in India. This accreditation will further enhance the credibility of XLRI vis-à-vis the recruiters looking to recruit the top talent, knowing that our graduates have received the highest quality and the most relevant management education," Abraham added.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 26 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआई ने जीता आईएनएफ चैलेंज

एक्सएलआरआई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'आईएनएफ चैलेंज' 2016 का विजय प्राप्त करने का गौरव हासिल किया है। इस अवसर पर एक्सएलआरआई के प्रतिस्पर्धी टीम ने अमेरिकी संस्थानों के प्रतिस्पर्धी टीमों को हराकर जीत हासिल की।



एक्सएलआरआई की टीम ने अमेरिकी संस्थानों के प्रतिस्पर्धी टीमों को हराकर जीत हासिल की। इस अवसर पर एक्सएलआरआई के प्रतिस्पर्धी टीम ने अमेरिकी संस्थानों के प्रतिस्पर्धी टीमों को हराकर जीत हासिल की।

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 26 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI students win global competition International New Future (INF) Challenge

Jamshedpur : Students of XLRI - Xavier School of Management, Jagruti Vijjala and Anurag Arora have won the International New Future (INF) Challenge organised by global innovation company - 3M. The global competition was held at 3M Headquarters in St. Paul, Minnesota, USA in July.

The XLRI student team was adjudged winner among competing B-School students from 13 other countries including Canada, Mexico, Brazil, China, Japan, Panama, Poland, Turkey, Saudi Arabia, Singapore, South Korea, United Arab Emirates and United States of America.

The winners Jagruti and Anurag have been offered six-month membership with a 3M senior leader and mentorship opportunity besides a vast international exposure. Both winners have also received a pre-placement offer from 3M India.

Reacting to her victory, Jagruti Vijjala, a second-year business management student at XLRI-Jamshedpur said, "It's been a long journey and I have thoroughly enjoyed each part of it. This is a platform where my ideas were appreciated and that felt even better than winning."

The XLRI team represented India at the global competition after winning the National Case Competition - Invent a New Future Challenge



(INF) 2016 organised by 3M India. The competition sought to recognize extraordinary thinking of B-school students saw participation through video entries from top business schools.

in India such as IIFT, IIM Lucknow, IIM Kozhikode, SPIIR, NMIMS, NITIE, XLRI among others.

Fr. E. Abraham S.J., Director, XLRI commented, "This win is the result of our students' sincere effort and their passion for excellence. I am extremely happy for our students' term and congratulate them for this achievement."

3M was established in India in 1988 and has completed more than 25 years of operations. 3M India headquarters is based in Bengaluru with branch offices at Mumbai, Gurgaon, Pune, Kolkata, Hyderabad and Chennai. 3M leverages its global innovation expertise to develop home-grown solutions that address unique needs of diverse customers in the Indian market. 3M has invested in Innovation Centers at Bengaluru and Gurgaon to boost local product development and its manufacturing footprint is spread across Bengaluru, Pune and Ahmedabad. From products that improve healthcare delivery to and impact improved healthcare delivery to safety markers that help increase road visibility, everyday kitchen and home care aids and car care products; today, 3M innovation touches millions of Indians - making lives easier and better.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 24 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

XLRI announces admissions in HRM programme for working executives

Jamshedpur : Xavier School of Management (XLRI) has started admission to the executive diploma in Human Resource Management for Working Executives (EDHRM: 2017-18). The last date for online registration is October 15.



The unique consolidated programme has been especially designed for working executives to enhance their professional knowledge and skills that are essential to play the HR role effectively within the dynamic and fast-growing corporate world and earn an Executive Diploma in HRM without interrupting their career.

The programme aims to provide the participants with an in-depth understanding of various concepts in HR and get them tuned to the latest developments and best practices in the sector, to prepare them to head the HR function in the operating divisions and to develop a repository of HR experts who can lead

change in the organization. The 16-month programme with 6 terms comprises of 15 compulsory courses spread over the first five terms while the sixth term is exclusively devoted to Action Research Based Project. The programme module includes a 50 days of intensive learning at XLRI campus through 5 visits, Project-based courses and Lecture series; Case methods; Group work; Assignments and Dissertation. The course fee is Rs. 4 lakhs + service tax, including tuition fees and other infrastructure necessities (excluding board and lodging expenses).

The applicant to this programme has to be a graduate

(minimum three years of full time study) from a recognized university in any discipline, with minimum of 5 years of full time work experience in managerial positions in HR Sector. The candidates are to be selected through Personal or Skype Interview.

XLRI was founded in 1949 by Fr Quinn Enright, S.J. Over the last six decades, the institute has grown into a top-ranking business management school of international repute with a wide portfolio of management programs and research publications. Its alumni are spread around the globe and have demonstrated responsible business leadership in their organisations.

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 22 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 12

Campus roundup

XLRI, holder of AMBA, now earns AACSB accreditation

XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, has announced it has earned accreditation for its flagship management and doctoral programmes by AACSB International (the Association to Advance Collegiate Schools of Business). This is the second major accreditation for XLRI after the Association of MBAs (AMBA), which it had received in 2015. Founded in 1916, AACSB International is the longest serving global accrediting body for business schools that offer degrees in business and accounting. It is difficult to earn AACSB accreditation and less than 5% of the world's business management programmes have it. Fr E Abraham SJ, director, XLRI, said, "It is an important milestone, and will take us a step ahead to strengthen our foothold in the global arena." Founded in 1949 by Fr Quinn Enright, XLRI is India's oldest B-school.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 26 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 8

ETYL: Response from 23k Students Since Launch in '14

Rica Bhattacharyya

Mumbai: Every potential employer had one question to Divya Agarwal at her placement interview at XLRI. Each wanted to know what she had learnt from Economic Times Young Leaders B-School programme in 2015. It was a good differentiator from all her other batchmates, says Agarwal proudly. She eventually joined McKinsey as a junior associate.

The Economic Times Young Leaders B-School programme gives a platform to promising final year management students to test their mettle and to engage with top CEOs of India Inc to understand the skills required to build a successful career in today's corporate world.

In the last two years, ET Young Leaders B-School has received an overwhelming response. 23,000 students across the country have made the cut as Young Leaders from various premier institutes in India such as IISB, JBIMS, Xavier Institute of Management, IIM Lucknow, FMS, etc. To be screened through thousands of applicants from business schools across the country, the stalwarts of India Inc are always an experience to cherish for life.

And that was the biggest takeaway for those selected for The Economic Times Young Leaders B-School Edition so far. The national level talent hunt, which was launched in 2014, assesses final year, full-time management students studying in Indian business schools on their potential to become future leaders.



"Getting a chance of being interviewed by people of the stature of Vikram Gambhir (Godrej Consumer Products Ltd) and meeting someone like Amit Agarwal (Amazon India) is in itself a rare experience," says Ankita Ashok Srivastava, HR leadership associate. "To be in the final list not only gave me a lot of confidence but the journey has made me a more mature professional."

"It was something to cherish for the lifetime and will surely help me in my future career," concurs KPMG's Jayanth, consultant at KPMG.

The hunt is on again in this year to find future leaders across India's top B-schools and those that make it may well be taking their first step into the corner office.

B-school aspirants will go through three challenging rounds and a final interview with CEOs to be certified as Young Leaders. Those that make it to the list will also receive pre-placement interview offers from the Aditya Birla Group, the renowned business house.

PUBLICATION: The Hindu Business Line
DATE: 29 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 17

Labour day

What the upcoming general strike signifies

K.R. SHYAM SUNDAR

The armed trade union movement, save the BJP-backed BMS, has proposed to observe a country-wide general strike on September 2, 2016, against the anti-people, anti-national and anti-worker policies of the NDA government. Since 1962, in country-wide struggles, the unions have taken place with varying degrees of participation. Several people question not only the utility of the demonstration work stoppage but also dub it as "political exercises".

However, the critics do not understand that strikes and agitations have been necessitated by the absence of effective social dialogue and a multi-pronged strategy to dilute labour rights.

Why this strike? It is important to note that though the BMS was able to extract a written assurance from the government, the latter reportedly did not hold consultations with the other trade unions, while also not delivering on recognised labour rights like higher minimum wages and pensions. In fact, the BMS in its recent illegal meeting condemned the NDA for its "vainglorious attitude".

The trade union movement is deeply upset that the government has been adopting piecemeal reforms with a strong pro-business orientation. The government has introduced a model shop and establishments labour law which in the guise of promoting more business has put labour rights at risk. In its textile policy it has introduced fixed-term employment and increased the cap on overtime work by amending the factories act. It has tried the trade unions by frequently seeking to timber with provident fund money though in vain. Though the government has taken positive measures like extending maternity benefits, the "credit" side does not read well.

Trade unions are also seriously concerned about some broad systemic issues such as speculative trading in commodity markets causing inflation, lack of quality employment generation, allowing of large direct investment in critical sectors such as defence, among others.

Reports and studies show employees in poor light — employers defaulting on provident fund, violation of minimum wages, accidents on construction sites (in Pune), union bashing, high incidence of contract workers even in core activities in auto industries, and so on, which indicate a poor labour rights environment. This is a terrible governance failure.

Finally, trade unions are anticipating critical amendments to empower the already powerful employer class in the case of enhancing competitiveness of the firm and possible later economic growth. The latter is meaningless growth. The September 2 strike articulates these arguments in an almost desperate manner, once again asking the government to listen to them.

Concurrence of some 12-point demands in the 2016 strike is also a reflection of seriousness of the government towards labour issues.

The author is a professor at XLRI, Jamshedpur.

PUBLICATION: The New Indian Express, Ede
DATE: 29 August 2016
EDITION: Chennai
PAGE: 12



XLRI Students Win at Global Competition

Students of XLRI - Xavier School of Management, Jagat Vignesh and Anurag Arora have won the International INE Challenge organized by Global Innovation Company - 3M. The global competition was held at 3M Headquarters in St. Paul, Minnesota, USA in July, 2016. The XLRI Student team was adjudged winner among competing B-School students from 13 other countries including Canada, Mexico, Brazil, China, Japan, Panama, Poland, Turkey, South Africa, Singapore, South Korea, USA and UK.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 4 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Never too old to learn, say Rotary & school

OUR CORRESPONDENT

C. Neela, a 55-year-old support staff of DBMS Kadma High school, is eager to learn alphabets so that she can sign her name on her bank passbook.

Neela, who has never been to school, looked visibly excited to get her small kit comprising a notebook, a Hindi language book, pencil and eraser.

The Rotary Club of Jamshedpur, which is the social outfall's women's wing, and DBMS Kadma High school, on Wednesday launched an adult literacy programme for its support staff and mothers of students admitted to project schools or run in afternoon shifts in the poor.

These adults had either



Shardul Sarin, senior faculty member of XLRI, addresses the audience at the launch of the adult literacy programme in Jamshedpur on Wednesday. Picture by Bhola Prasad

dropped out of school or had never been there. The adult literacy programme was launched on DBMS Kadma High School premises by Shardul Sarin, a senior faculty member of XLRI, with Priya

Dutta, president of Rotary Femina; Meena Bagli, school principal; and others. Acting on the belief that an

educated mother means an educated family, the aim of the programme is to provide education to illiterate and semi-literate support staff and mothers. While Rotary Femina initiated the effort, the school will provide the space and teachers for the batch of 30 adult students. On Wednesday, over a dozen support staff of the school like Neela got the learning kits.

Three teachers will take classes twice a week for an hour. The classes will be conducted on Monday, Tuesday and Thursday. The first such class will begin on Thursday.

"It is not just this initiative and I do hope beyond it. What would go beyond it. What a stick is to a blind person, education is the same for every-

one of us. It is great that such an initiative has started," Sarin said in his address on Wednesday.

So, what are Neela and friends thinking before Day One? "I think I will enjoy myself very much. I don't think age is my bar to education. Even if I said more time than the children, I will learn something new and will be able to sign my name instead of putting my thumb impression."

Her friend Rakhi Devi (35), also a support staff of DBMS Kadma High School and a Class II drop out, added she was now a mother of three. "I was now a mother of three. I always wanted to study. Now my dream is coming true and I will be able to guide my daughters better in life."

PUBLICATION: The Hindu
DATE: 1 August 2016
EDITION: Hyderabad
PAGE: 14

Centre to amend compensation law

Employers will be penalised up to an amount of Rs.1 lakh

SOMESH JHA

NEW DELHI: Millions of people working in the unorganised sector, who sustain injuries at their workplace, will soon be eligible for higher compensation from employers as the Union Cabinet has approved amendments to the Employee's Compensation Act of 1923.

Although there has been no official communication on the approval given by the Union Cabinet, top labour ministry officials said Labour Minister Bandaru Dattatreya moved the labour law amendments to the Lok Sabha Secretariat and it is expected to be introduced in the Lower House in the next few days.



RESCUE ACT: The law applies to unorganised workers in factories, mines, plantations and construction. — FILE PHOTO: AFP

Injury or death

According to the amendments approved by the Cabinet, employers will be liable for penalty amount in the range of Rs.50,000-Rs.1 lakh, up substantially from Rs.500 at present, in case they fail to report the authorities about an accident occurring in work premises leading to injuries, serious body injuries or death of a worker.

Employers or their families will be eligible for higher compensation from employers as the latter will no longer be able to move the court for paying them a sum of up to Rs.10,000. At present, employers can move the High Court for an appeal against the Labour Commissioner's order of paying more than Rs.300 as compensation. "The law will ensure that employees are not harassed by the employers for a small amount of compensation. This proposal will help employees get at least Rs.10,000 as compensation without facing legal hurdles," said another senior labour ministry official.

Increased compensation

The law is applicable to unorganised workers employed in factories, mines, plantation, construction site and also, to certain railway servants. Earlier known as the Workmen's Compensation Act, it was amended by the UPA government in 2009 to substantially increase compensation for workers. The proposed amend-

It will help employees get at least Rs.10,000 as compensation without facing legal hurdles

ment related to a hike in penalty in case of non-reporting of accidents is a very encouraging move. This will incentivise the employers to report all form of accidents and once that happens, the judicial proceedings will take over and the workers or their dependents can get compensation well within time," said K.R. Shyam Sundar, professor of human resources management at XLRI Jamshedpur.

He said the proposed change related to increasing compensation amount not entitled for appeals from the employer is a move in tune with the present level of minimum wages prevalent in the country compared with 1923. "It doesn't alter the situation at all. The employers can still move the High Court. It is seen that compensation cases go on for very long because of appeal and counter-appeal proceedings that go to the Supreme Court," Mr Sundar said. He backed a system of such cases going to the industrial courts.

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 5 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 16



Honing skills

Xavier School of Management announced admission for its virtual interactive learning postgraduate certificate programmes for business management and human resource courses. These would be conducted through VC Now's Video Conference based on virtual classroom platform across 40 study centers in India. The duration is one year which includes five days of campus stay at XLRI Jamshedpur. Applicants need to have a minimum two years work experience after completion of graduation. The course fee is Rs 2, 25,000 payable through five installments and provides special discounts for corporate sponsorships as well. "XLRI Jamshedpur has the distinction of being the first management institute in India to commence management programmes for working professionals, through its unique virtual interactive learning methodology. It has been designed for working executives to upgrade their business acumen, hone their managerial skills that would add value to them personally as well as professionally in their careers without leaving their jobs, cities and families," said A K Pani, associate dean, VIL programmes, XLRI. The deadline for registration is 10 October. For further details, visit: <http://sat.xlri.ac.in/> or <http://sat.xlri.ac.in/satadmission/index.php?cmd=R>

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 8 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

National meet on PPP models

OUR CORRESPONDENT

A two-day national seminar on public-private partnership (commonly known as PPP) models in India started at Jamshedpur Women's College in the steel city on Friday. Students and faculty members from several universities across Jharkhand and Bengal are analysing the PPP model based on the theme, Public-Private Partnership in Infra-structural Development. Sponsored by the University Grants Commission, New Delhi, the seminar was inaugurated by keynote speaker Ramesh Sharan, head of PG department of economics, Ranchi University. Along with Sharan, N.G. Goswami, chief scientist and director, CSIR-NML, Burmahmimes; and Suresh Sonthalia, president of Singhbhum Chamber of Commerce and Industry, were



Ramesh Sharan (from left), Suresh Sonthalia and NG Goswami at Jamshedpur Women's College on Friday.
Picture by Bhola Prasad

present as guests of honour. Goswami stressed the need to implement PPP model in water, power and health sectors. "PPP in any country depends on the stability of the government," he said. Santanu Gupta, an XLRI economics faculty member, spoke on the need of PPP in rural areas. "Private players should chip in, particularly in the rural market," he said. East Singhbhum social welfare officer Ranjana Mishra said the state government was open to social projects in PPP mode as it had ushered a healthy competitive culture in the social sector. In all, over 150 papers on the subject would be presented in the two-day meet.



Hello. It's Thursday,
August 11, 2016.

Talk

■ A talk on 3D printing technology by Rajiv Misra, faculty member of XLRI, at Loyola School in Bistupur, 10.30am.

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 26 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 16

Executive diploma

XLRI- Xavier School of Management announced admission for its executive diploma in human resource management for working executives. This unique consolidated programme has been especially designed to enhance their professional knowledge and skills that are essential to play the human



resource role effectively. The 16 month programme with six terms comprises of 15 compulsory courses spread over the first five terms while the sixth term is exclusively devoted to Action Research Based Project. The programme module includes a 50 days of intensive learning at its campus through five visits, project-based courses and lecture series, case methods, group work, assignments and dissertation. The course fee is Rs four lakh plus service tax including tuition fees and other infrastructure necessities (excluding board and lodging expenses). One must be a graduate from a recognised university in any discipline with minimum of five years of full time work experience in managerial positions. Candidates are to be selected through personal or Skype interview. Last date of registration is 15 October.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 12 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Say hello to 3D printing

OUR CORRESPONDENT

Did you know that three-dimensional printing technology is used to manufacture jewellery, footwear, vehicles, furniture and even trendy eyewear? Such revelations were made before the students of Loyola School, Bistupur, on Thursday.

The Loyola Alumni Association, under the guidance of XLRI faculty member Rajiv Mishra, organised a lecture for the students of Classes XI and XII where they got an opportunity to learn about the scopes and opportunities of 3D printing technology.

Father Sebastian Puthenpura, school principal; Ronald D'Costa, patron of the alumni



Rajiv Misra, faculty member of XLRI, addresses students at Loyola School in Jamshedpur on Thursday. (Bhola Prasad)

association and other faculty members were present during the hour-long lecture.

In 3D printing process, a digital computer-generated model is used to create a three-

dimensional object through a process in which layer after layer of materials are added to build the object. But how prolific is a career in this field?

"This technology is used in

every field and is being considered the next big industrial revolution. So, we discuss its advantages and popularity in every areas especially in the manufacturing sector," said Rajiv Misra.

Misra further elucidate how the technology has reduced geographical barrier and have become an indispensable part in various fields.

Students were further asked to use software like computer-aided drafting (CAD) that will help them get a knack of the technology. They were equally thrilled to learn that Massachusetts Institute of Technology has a 3D printing technology department where one can get the required qualification to excel in the field.

PUBLICATION: Tribune, Job & Careers
DATE: 31 August 2016
EDITION: Delhi
PAGE: 3



Executive Diploma in Human Resource Management for Working Executives

XLRI - Xavier School of Management, Jamshedpur, announces admission to the Executive Diploma in Human Resource Management for Working Executives (EDHRE) 2017-18.

This unique condensed programme has been especially designed for working executives to enhance their professional knowledge and skills that are essential to play the HR role effectively within the dynamic and fast-growing corporate world and gain an Executive Diploma in HR without interrupting their career.

The programme, with an in-depth understanding of various concepts, will provide them with the skill set and development to lead projects and teams, to prepare them for the HR function in the growing economy and to develop a repository of HR experts who can lead change in the organisation.

The 18-month programme with 9 terms comprises of 25 compulsory courses spread over the first five terms while the sixth term is exclusively devoted to Action Research Based Project.

The programme module includes a 50 days of intensive learning at XLRI campus through 5 visits, blended-based courses and lectures, on-site case studies, group work.

Eligibility: The applicant to this programme has to be a graduate (minimum three years of full-time study) from a recognised university in any discipline, with minimum 55 per cent marks in the 4th semester.

Fee: The course fee is Rs 4 lakh + service fee including tuition fees and other infrastructure-related fees including board and lodging (exclusive).

Application: The applicant to this programme has to be a graduate (minimum three years of full-time study) from a recognised university in any discipline, with minimum 55 per cent marks in the 4th semester.

How to apply: Online application (October 15, 2016)

Check out: <http://www.xlri.ac.in/academic/prog/academic/education/edhre>





XLRI IN RARE GLOBAL LEAGUE

Page 8

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 17 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7-8

Less than 5 per cent of business institutes have coveted US accreditation XLRI joins big league of global B-schools



RARE HONOUR: XLRI in Jamshedpur

THE CORRESPONDENT

XLRI, Jamshedpur, has earned an accreditation from the Association to Advance Collegiate Schools of Business (AACSB) International, one of the longest-serving global accrediting bodies.

Less than 5 per cent of the world's business schools have the tag of AACSB International accreditation — because of its rigorous and demanding process of evaluation and assessment.

Turning it into an important milestone, XLRI director Phani K. Acharya said the accreditation would take the institute another step forward in strengthening its reputation globally. This is XLRI's second accreditation by AACSB International, having earned it in 2008.

"This will enhance the global credibility of XLRI, which is India's oldest B-school founded in 1949," he said.

The AACSB International accreditation involves a review of the institute's academic, administrative, and financial aspects, as well as its commitment to continuous improvement and innovation.

The director said a Board of Accreditation (National Board of Accreditation) and a peer review team were involved in the process.


According to an XLRI source, AACSB International's accreditation is the backbone of excellence in business education.

Founded in 1916 in Florida, the US, AACSB International is the oldest and most prestigious accrediting body for business schools. It is a non-profit organization that promotes excellence in business education and provides a framework for self-evaluation and improvement.

It takes a great deal of time and effort to earn the AACSB accreditation, and it comes with a lot of responsibilities. The institute must maintain high standards of academic excellence, financial soundness, and commitment to innovation and improvement.

Babbar D. Bhat, executive vice president and chief accreditation officer of AACSB International, said the accreditation is a testament to the quality of XLRI's education and its commitment to excellence.

PUBLICATION: The Times of India, Education Times
DATE: 22 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 11



NEWSBYTES

GLOBAL ACCREDITATION

XLRI - Xavier School of Management has earned accreditation by AACSB International. The Association to Advance Collegiate Schools of Business for its management and doctoral programmes. With this, XLRI joins a select group of global B-schools to have received this accreditation. AACSB accreditation is the hallmark of excellence in business education, and has been earned by less than 5% of the world's business management programs. Achieving AACSB accreditation is a multi-year process of rigorous internal review, engagement with an AACSB assigned mentor, and peer review. During the process,

the school focuses on developing and implementing a plan to align with AACSB's accreditation standards — excellence in strategic management and innovation; student, faculty, and staff as active participants; learning and teaching; and academic and professional engagement.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 18 August 2016
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 7

LESS TAXING? JURY OUT

Financial Accounting and Management
The Institute of Cost Accountants of India
The Institute of Actuaries of India
The Institute of Chartered Accountants of India
The Institute of Company Secretaries of India
The Institute of Taxation of India
The Institute of Financial Management of India
The Institute of Business Management of India
The Institute of Management of India
The Institute of Leadership of India
The Institute of Entrepreneurship of India
The Institute of Innovation of India
The Institute of Creativity of India
The Institute of Design of India
The Institute of Architecture of India
The Institute of Engineering of India
The Institute of Technology of India
The Institute of Science of India
The Institute of Medicine of India
The Institute of Law of India
The Institute of Arts of India
The Institute of Social Sciences of India
The Institute of Humanities of India
The Institute of Languages of India
The Institute of Literature of India
The Institute of Music of India
The Institute of Dance of India
The Institute of Visual Arts of India
The Institute of Performing Arts of India
The Institute of Media of India
The Institute of Journalism of India
The Institute of Mass Communication of India
The Institute of Public Relations of India
The Institute of Advertising of India
The Institute of Marketing of India
The Institute of Sales of India
The Institute of Distribution of India
The Institute of Logistics of India
The Institute of Supply Chain Management of India
The Institute of Operations Management of India
The Institute of Production Management of India
The Institute of Quality Management of India
The Institute of Total Quality Management of India
The Institute of Six Sigma of India
The Institute of Lean Manufacturing of India
The Institute of Kaizen of India
The Institute of Continuous Improvement of India
The Institute of Innovation Management of India
The Institute of Intellectual Property of India
The Institute of Patent Law of India
The Institute of Trademark Law of India
The Institute of Copyright Law of India
The Institute of Design Law of India
The Institute of Trade Dress Law of India
The Institute of Unfair Competition Law of India
The Institute of Consumer Protection Law of India
The Institute of Product Liability Law of India
The Institute of Defective Products Law of India
The Institute of Recall Law of India
The Institute of Withdrawal Law of India
The Institute of Disposal Law of India
The Institute of Destruction Law of India
The Institute of Recycling Law of India
The Institute of Sustainability Law of India
The Institute of Environmental Law of India
The Institute of Climate Change Law of India
The Institute of Energy Law of India
The Institute of Water Law of India
The Institute of Air Law of India
The Institute of Soil Law of India
The Institute of Forest Law of India
The Institute of Wildlife Law of India
The Institute of Fisheries Law of India
The Institute of Livestock Law of India
The Institute of Poultry Law of India
The Institute of Aquaculture Law of India
The Institute of Horticulture Law of India
The Institute of Viticulture Law of India
The Institute of Olericulture Law of India
The Institute of Apiculture Law of India
The Institute of Sericulture Law of India
The Institute of Jatropha Law of India
The Institute of Rubber Law of India
The Institute of Coconut Law of India
The Institute of Cashew Law of India
The Institute of Mango Law of India
The Institute of Guava Law of India
The Institute of Pineapple Law of India
The Institute of Banana Law of India
The Institute of Papaya Law of India
The Institute of Kiwi Law of India
The Institute of Apple Law of India
The Institute of Pear Law of India
The Institute of Peach Law of India
The Institute of Cherry Law of India
The Institute of Plum Law of India
The Institute of Apricot Law of India
The Institute of Nectarine Law of India
The Institute of Peach Law of India
The Institute of Cherry Law of India
The Institute of Plum Law of India
The Institute of Apricot Law of India
The Institute of Nectarine Law of India

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 29 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 10

CAMPUS BUZZ



JAMSHEDPUR

Extravagant affair

■ XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur, hosted its annual sports and cultural festival Valhalla from July 29 to 31 on campus. The theme this year was: 'The streets are calling.' The three-day festival included a gamut of cultural and sports events ranging from theme-based quiz to basketball. Students from B-schools such as Indian Institutes of Management (IIMs); Narsee Monjee Institute of Management Studies, Mumbai (NMIMS); Birla Institute of Technology (BIT) Mesra and XIM Bhubaneswar (XIMB) participated in the festival. Stand-up comedian Zakir Khan and playback singer Nikhil D'Souza entertained the audience. The host college bagged most awards in sporting events while XIMB, NMIMS and XLRI won equal number of events in the cultural section. The fest concluded with an EDM (Electronic Dance Music) night.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 6 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 1-2

St Xavier's University: A new campus coming next year

Proposal Gets Govt Nod, Bill In Winter Session

SOWING DREAMS
■ New St Xavier's University will be spread over 25 acres in Rajpur.
■ Admission likely from starting academic session.
■ Head of Calcutta School of Education, Dr. S. K. Chatterjee, will be the first vice-chancellor.
■ Bill of the Government will be introduced in the winter session of the West Bengal Legislative Assembly.

What happens to St Xavier's College?
Under Presidency Bill, the university won't replace St Xavier's College, which will continue to operate as an autonomous institution.

PPP model, P 2
The university's Board of Governors — the top policy-making body — will have government representatives — from the finance and higher education departments — to ensure the university is financially sound. The Bill will also have representation from business and industry experts from various fields. "The university will have a statutory body, the Calcutta University or Statutory University of Education, to oversee the university," the bill says.

State not keen on PPP model for Xavier's univ

EIGHT OPTIONS

- Andhra University
- Birla Institute of Technology
- Indian Institute of Management
- Indian Institute of Technology
- Indian Institute of Technology
- Indian Institute of Technology
- Indian Institute of Technology
- Indian Institute of Technology

The university's Board of Governors — the top policy-making body — will have government representatives — from the finance and higher education departments — to ensure the university is financially sound. The Bill will also have representation from business and industry experts from various fields. "The university will have a statutory body, the Calcutta University or Statutory University of Education, to oversee the university," the bill says.

The university's Board of Governors — the top policy-making body — will have government representatives — from the finance and higher education departments — to ensure the university is financially sound. The Bill will also have representation from business and industry experts from various fields. "The university will have a statutory body, the Calcutta University or Statutory University of Education, to oversee the university," the bill says.

The university's Board of Governors — the top policy-making body — will have government representatives — from the finance and higher education departments — to ensure the university is financially sound. The Bill will also have representation from business and industry experts from various fields. "The university will have a statutory body, the Calcutta University or Statutory University of Education, to oversee the university," the bill says.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 15 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 19

NEWSBYTES

CELEBRATION TIME

Xavier School of Management, recently hosted its annual sports & cultural festival Valhalla 2016 at XLRI Campus. The theme for this year's event was: 'The Streets Are Calling.' In its fifth edition, the three-day extravaganza included a mélange of events ranging from dance, drama and debate to various sporting spectacles of gladiatorial proportions and were participated by students from other leading B-Schools in the country including the IIMs NMIMS Mumbai, BIT Mesra, XIM Bhubaneswar along with the home school.

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 2 August 2016
EDITION: Kolkata
PAGE: 13

NEWSBYTES

VIRTUAL LEARNING

XLRI - Xavier School of Management announces admission to the Virtual Learning (VIL) Programme for Business Management (Batch - 21) and Business Management (Batch - 22) courses. These would be conducted through VIL's Video Conference based Virtual Classroom platform across 40 study centres in India. The duration of these VIL programs is one year which includes five days of intensive learning called the 'Campus Component' at the XLRI Campus at Jamshedpur. Applicants need to have minimum two years work experience (as on October 16) after completion of graduation (or 10+2+3 format) or equivalent. The course fee for the POCBM and PGCBM programmes is ₹ 2.25 Lakh, payable through five installments. XLRI provides special discounts for corporate sponsorships as well. The One-year online programme aims to provide management education to working executives without having the need to leave their jobs or cities. The classes are conducted by XLRI Professors through a High Definition Video Conference based Virtual Classroom platform. The verification along with alumni status will be awarded as the full-fledged formal Graduation Ceremony at XLRI, Jamshedpur. The last date for making registrations online is October 16.

